Regarding need for establishment of Cow sanctuaries at Meerut and Hapur in Meerut Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh- laid

श्री अरुण गोविल (मेरठ) : उत्तर प्रदेश में लगभग 14 लाख निराश्रित पशु बताए जाते हैं, जिससे गाँवों में फसलों को नुकसान और शहरों में गंभीर ट्रैफ़िक समस्या उत्पन्न होती है । ऐसे में इन पशुओं के भोजन, आश्रय और स्वास्थ्य की व्यवस्था करना समाज और सरकारदोनों का दायित्व बनता है । केंद्र सरकार ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुजफ्फरनगर के पुरकाजी क्षेत्र, ग्राम तुगलकपुर कम्हेडा में देश की पहली Cow Sanctuary स्थापित की है । राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत लगभग 42 एकड़ भूमि में 64 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह सेंचुरी एक सफल मॉडल साबित हुई है, जहाँ 5000 पशुओं को रखने की क्षमता है । इस पहल से आवारा पशु समस्या में कमी आई है । साथ ही, NDDB द्वारा स्थापित Artificial Insemination Center और Training Centre से ग्रामीण युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण मिल रहा है तथा Bio-Plant से स्थानीय अर्थव्यवस्था और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा मिल रहा है । इसी आधार पर मेरा केंद्र सरकार से विनम्र अनुरोध है कि मेरे लोकसभा क्षेत्रमेरठ और हापुड़में भी एक-एक Cow Sanctuary की स्थापना की जाए, ताकि निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिले और किसानों व नागरिकों को राहत के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सके ।